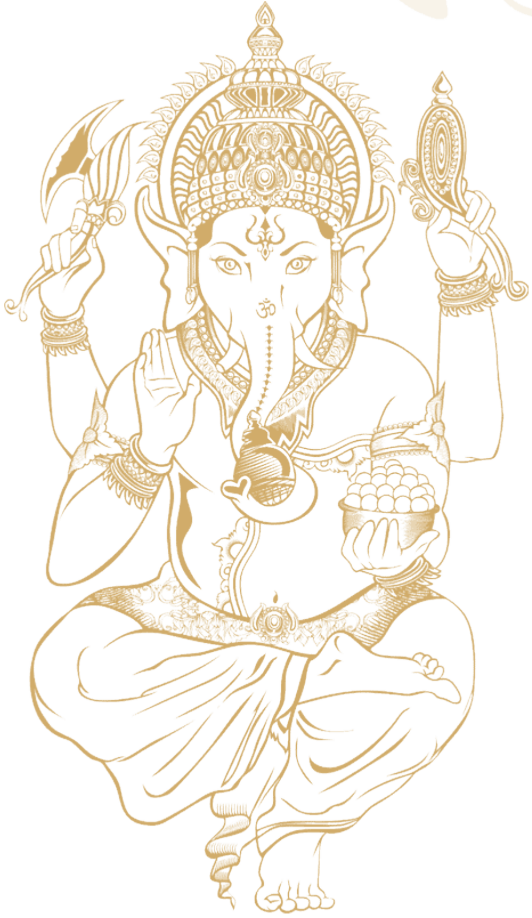

Ronak

13 Sep 1996

09:35 AM

Dhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121092704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/09/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**09:35:00 घंटे**
इष्ट	08:20:56 घटी
स्थान	**Dhar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:32:00 उत्तर
रेखांश	75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:06:36 घंटे
वेलान्तर	00:04:06 घंटे
साम्पातिक काल	08:36:19 घंटे
सूर्योदय	06:14:37 घंटे
सूर्यास्त	18:33:30 घंटे
दिनमान	12:18:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:50:08 सिंह
लग्न के अंश	11:53:28 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुभ
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:53:28	323:22:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			सिंह	26:50:08	00:58:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
चंद्र			सिंह	29:09:23	12:12:51	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
मंगल			कर्क	08:16:28	00:37:25	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध	व	अ	कन्या	05:30:50	00:54:09	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु			धनु	14:09:11	00:01:49	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	12:36:18	01:05:22	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	11:12:01	00:04:27	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:10:20	00:01:07	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:10:20	00:01:07	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:07:20	00:01:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:18:46	00:00:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:50:12	00:01:07	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	12:52:42	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:42

लग्न-चलित

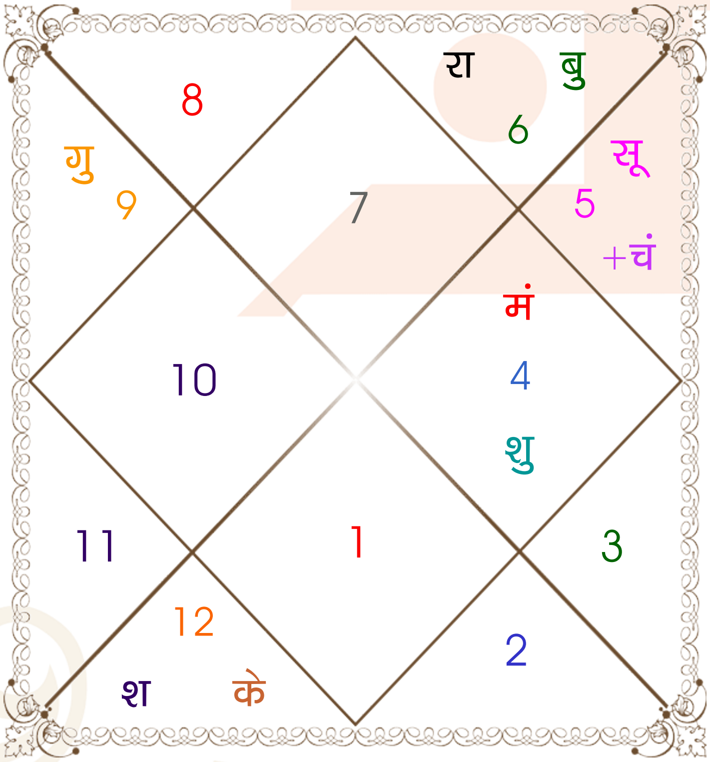

चन्द्र कुंडली

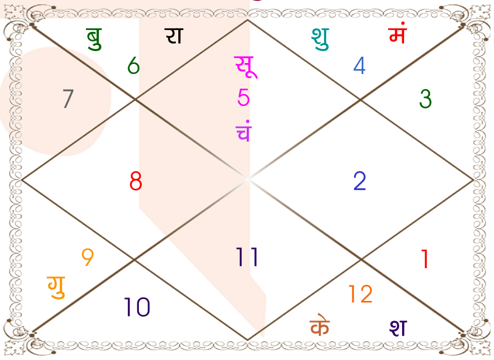

नवमांश कुंडली

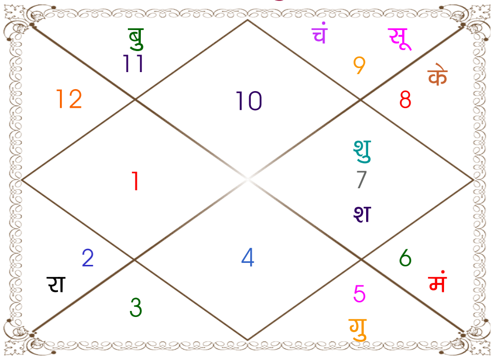

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 10 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/09/1996		31/07/2001		01/08/2011		31/07/2018		31/07/2036	
31/07/2001		01/08/2011		31/07/2018		31/07/2036		31/07/2052	
	00/00/0000	चंद्र	01/06/2002	मंगल	28/12/2011	राहु	13/04/2021	गुरु	18/09/2038
	13/09/1996	मंगल	31/12/2002	राहु	14/01/2013	गुरु	06/09/2023	शनि	31/03/2041
मंगल	24/09/1996	राहु	01/07/2004	गुरु	21/12/2013	शनि	13/07/2026	बुध	07/07/2043
राहु	18/08/1997	गुरु	31/10/2005	शनि	30/01/2015	बुध	30/01/2029	केतु	12/06/2044
गुरु	07/06/1998	शनि	01/06/2007	बुध	27/01/2016	केतु	17/02/2030	शुक्र	11/02/2047
शनि	20/05/1999	बुध	30/10/2008	केतु	24/06/2016	शुक्र	17/02/2033	सूर्य	30/11/2047
बुध	25/03/2000	केतु	31/05/2009	शुक्र	25/08/2017	सूर्य	12/01/2034	चंद्र	31/03/2049
केतु	31/07/2000	शुक्र	30/01/2011	सूर्य	30/12/2017	चंद्र	13/07/2035	मंगल	07/03/2050
शुक्र	31/07/2001	सूर्य	01/08/2011	चंद्र	31/07/2018	मंगल	31/07/2036	राहु	31/07/2052

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/07/2052		01/08/2071		31/07/2088		01/08/2095		02/08/2115	
01/08/2071		31/07/2088		01/08/2095		02/08/2115		00/00/0000	
शनि	04/08/2055	बुध	27/12/2073	केतु	27/12/2088	शुक्र	30/11/2098	सूर्य	19/11/2115
बुध	13/04/2058	केतु	25/12/2074	शुक्र	26/02/2090	सूर्य	30/11/2099	चंद्र	20/05/2116
केतु	23/05/2059	शुक्र	24/10/2077	सूर्य	04/07/2090	चंद्र	01/08/2101	मंगल	14/09/2116
शुक्र	22/07/2062	सूर्य	31/08/2078	चंद्र	02/02/2091	मंगल	01/10/2102		00/00/0000
सूर्य	04/07/2063	चंद्र	30/01/2080	मंगल	01/07/2091	राहु	01/10/2105		00/00/0000
चंद्र	02/02/2065	मंगल	27/01/2081	राहु	19/07/2092	गुरु	01/06/2108		00/00/0000
मंगल	13/03/2066	राहु	16/08/2083	गुरु	25/06/2093	शनि	02/08/2111		00/00/0000
राहु	17/01/2069	गुरु	21/11/2085	शनि	03/08/2094	बुध	02/06/2114		00/00/0000
गुरु	01/08/2071	शनि	31/07/2088	बुध	01/08/2095	केतु	02/08/2115		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।